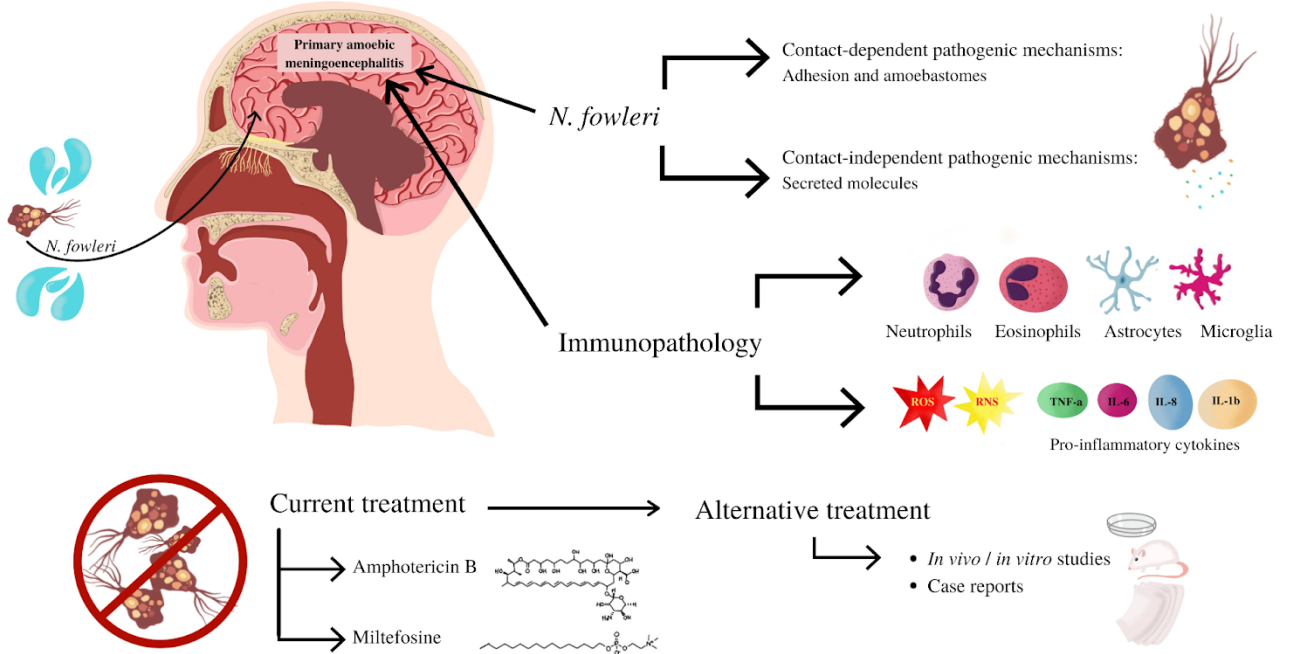


बरेन ईटगि अमीबा

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

नेगलेरिया फाउलेरी अमीबा, जिसे प्रायः "बरेन ईटगि अमीबा" के नाम से जाना जाता है, के कारण होने वाले प्राथमिक **अमीबिक मेनगिओएन्सेफलाइटिस (Primary Amoebic Meningoencephaliti - PAM)** के कारण हाल ही में केरल में एक 5 वर्षीय लड़की की मृत्यु ने इस वनाशकारी की दुर्लभ लेकिन घातक संक्रमण प्रकृति को उजागर किया है।

- नेगलेरिया फाउलेरी एक स्वतंत्र रूप से रहने वाला अमीबा है, जो वशिव में अधिक तापमान वाले **स्वच्छ जल और मृदा** में पनपता है।
 - अमीबा आमतौर पर तैराकी जैसी गतिविधियों के दौरान नाक के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है और फरि मस्तिष्क में चला जाता है, जहाँ यह मस्तिष्क के ऊतकों को नष्ट कर देता है एवं सूजन का प्रमुख कारण बनता है।
- **लक्षण:** प्रारंभिक लक्षणों में **सरिदरद, ज्वर, मतली और उल्टी** आना शामिल हैं, इसके बाद गर्दन में अकड़न, भ्रम, दौरे, मतभ्रम एवं अंततः कोमा भी शामिल है।
- **मृत्युदर:** **PAM** से ग्रसति अधिकांश लोगों की लक्षणों की **शुरुआत के 1 से 18 दिनों के भीतर** ही मृत्यु हो जाती है और यह बीमारी आमतौर पर कोमा में परिवर्तित हो जाती है, साथ ही इस स्थिति में 5 दिनों के भीतर मृत्यु हो जाती है।
- **उपचार संबंधी चुनौतियाँ:** वर्तमान में **PAM के लिये कोई प्रभावी उपचार नहीं** है, चिकित्सक संक्रमण को प्रबंधित करने के लिये एम्फोटेरिसिनि बी, एज़थ्रोमाइसिनि, फ्लुकोनाज़ोल के साथ अन्य दवाओं के संयोजन का प्रयोग उपचार के लिये करते हैं।



//

और पढ़ें... [नेगलेरिया फाउलेरी: बरेन ईटगि अमीबा](#)

